



Shree Greater Bombay Vardhman Sthanakvasi Jain Mahasangh-Mumbai

Conducted

MATUSHREE MANIBEN MANSI BHIMSHI CHHADVA DHARMIK SHIKSHAN BOARD – MUMBAI

धार्मिक शिक्षण बोर्ड

Website : jaineducationboard.org

E-mail : jainshikshanboard@gmail.com

१७ जुलाई २०२२ – जैनशाणा पेपर - गुण : १०० - समय : २ से ५

श्रेणी-२

Student Name		Roll No.	
Date of Birth		Mobile No.	
Sangh Name		Supervisor Name	
Jainshala Name		Supervisor's Signature	

Marks

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	Total

प्रश्न १. (क) साचा जवाब सामे गोळ (Circle) करो.

(०५)

- १) दग - सचेत माटी, सचेत बीज, सचेत पाणी
- २) न सोहियं - न शुद्ध कर्युं होय, न पाळ्युं होय, न आराधना करी होय
- ३) मयल - अचल, अक्षय, रोग रहित
- ४) सक्कारेमि - सन्मान करुं छुं, सत्कार करुं छुं, स्तुति करुं छुं
- ५) धम्मं - श्री धर्मनाथने, धर्मनी आदि करनारा, धर्मदेव स्वरुप छो.

प्रश्न २. (ख) साचो शब्द शोधी ने लखो.

(०५)

(मरुय, जीवदयाणं, गरिहामि, धम्मसारहीणं, न फासियं)

- १) न स्पश्र्युं होय _____
- २) धार्मिक रथना सारथीओ _____
- ३) रोग रहित _____
- ४) गहाँ करुं छुं. _____
- ५) संयमरुपी जीवनना देनार _____

प्रश्न १. (ग) सामायिक ना ३२ दोषमांथी.

(१०)

१) मननां कोईपण ३ दोष लखो.

२) वचननां कोईपण ३ दोष लखो.

३) कायानां कोईपण ४ दोष लखो.

प्रश्न २) पाठ पूर्ति करो.

(२५)

१) पीढ , , , , भेसज्जेणं

२) दंसण , , , , परमत्थ

३) बंधे , , , , सहसाभक्खाणे

४) जत्ताभे ? , , , , देवसियं

५) खातरखणी , , , , धणीयाती जाणी

६) न पारेमि , , , , अप्पाणं वोसिरामि

प्रश्न ३) (क) मात्र आंकडामां लखो (Number)

(०५)

१) लोगस्स सूत्र मां केटला तीर्थकरोनी स्तुती करवामां आवी छे ?

२) पापनां पगथियां केटला छे ?

३) १ घडी अटले केटली मिनिट ?

४) काउस्सग्ग ना आगार केटला ?

५) कर्म केटला छे ?

प्रश्न ३) (ख) खाली जग्या पूरो.

(०५)

१) सामायिकना त्रीजा पाठ नुं नाम छे. (ईरियावहियं सूत्र / नमस्कार सूत्र)

२) जैन साधुनी सामायिक ने (दिक्षा / भिक्षा) कहेवाय.

३) व्रतनी मर्यादा तोडवानी सामग्री अेकड्डी करवी ते (व्यतिक्रम / अतिक्रम)

४) तीर्थकरने (सूर्य / तारा) नी उपमा आपवामां आवी छे.

५) (विराधना / आराधना) अटले जीवोनी हिंसा.

प्रश्न ३) (ग) जोडकां जोडो.

(०५)

१) सामायिक नां दोष	<input type="checkbox"/>	१) ५
२) ४८ मिनिट	<input type="checkbox"/>	२) शक्रस्तव
३) सामायिक नां अतिचार	<input type="checkbox"/>	३) चतुर्विंशति स्तव
४) शकेन्द्र देवनी स्तुति	<input type="checkbox"/>	४) ३२
५) लोगस्स सूत्र	<input type="checkbox"/>	५) १ मुहुर्त

प्रश्न ४) (क) खाली जग्या पूरो.

(१०)

- १) जेमां जीव होय तेने कहे छे! (सचेत/अचेत)
- २) गुरुनो (विनय/अविनय) करीने अभ्यास करवाथी ज्ञान वधे छे!
- ३) ज्ञान वृद्धिना (११/१५) बोल छे!
- ४) अभिगम (१०/५) छे!
- ५) नवुं (ज्ञान/अज्ञान) शीखती वखते पण त्रण वंदना करीश!
- ६) (सुख/दुःख) थी फूली ना जवुं!
- ७) (मननी अेकाग्रता/अंजलिकरण) थी व्याख्यान, वांचणी सांभळवा अने स्वाध्याय करवो!
- ८) दरेक समये (अरिहंत/शत्रु) ज शरण आपे।
- ९) दुनियामां आपणा (आत्माने/परमात्माने) कोण बचावे?
- १०) (ऊंघ घटाडीने/ऊंघ वधारीने) अभ्यास करवाथी ज्ञान वधे छे!

प्रश्न ४) (ख) साचुं छे के खोटुं ते लखो.

(१०)

- १) कर्मबंधनने तोडवानो उपदेश पू. साधु-साध्वीजीओ आपे छे!
- २) संबंधो अने शरीर कायम टके!
- ३) पांच अभिगममां त्रीजो अभिगम अंजलीकरण छे!
- ४) कपट साथे तप करवाथी ज्ञान वधे छे!
- ५) रोगोथी सैनिक बचावे ?
- ६) लाकडी अने छत्री लईने साधु-साध्वीजी पासे जवाय!
- ७) जेमां जीव न होय तेने सचेत कहे छे!
- ८) ज्ञान शीखवा माटे उघम करवाथी ज्ञान वधे छे अे दसमो बोल छे!
- ९) उपाश्रयमां वातो कराय अने मित्रो साथे रमाय!
- १०) जमतां पहेला हुं पू. साधु-साध्वीजीने वहोराववानी भावना भावीश!

प्रश्न ५) (क) जोडकां जोडो.

(०५)

- | | | |
|--------------------------|--------------------------|-----------------------|
| १) श्री पार्श्वनाथ भगवान | <input type="checkbox"/> | १) सेवा परायण |
| २) चंदनबाळा | <input type="checkbox"/> | २) कमठ |
| ३) नंदीषेण मुनि | <input type="checkbox"/> | ३) विकट अभिग्रह |
| ४) तापस | <input type="checkbox"/> | ४) प्रथम साध्वी |
| ५) भगवान महावीर स्वामी | <input type="checkbox"/> | ५) त्रेवीशमां तीर्थकर |

प्रश्न ५) (ख) अेक शब्दोमां जबाब आपो.

(०५)

- १) भगवान महावीरना साध्वीजीनी संख्या केटली हती ?
- २) भगवान महावीरने पारणुं कोणे कराव्युं हतुं ?
- ३) पार्श्वनाथ भगवाने कोने नवकारमंत्र संभळ्वाव्यो हतो ?
- ४) नंदीषेण मुनिनी परीक्षा लेवा कोण आव्युं हतुं ?
- ५) पार्श्वनाथ भगवानने जन्मथी केटला अने कया कया ज्ञान हतां ?

प्रश्न ५) काव्य पूर्ति करो.

(१०)

- १) मारा जीवननी नौका केरुं
.....
..... परवश मारा प्राण छे.
- २) अरिहंत देवो सर्व जाणे छे,
.....
..... तेमनुं सुख छे अपार.
- ३) उपकार कर्यां मुज पर,
.....
..... हुं अे ज विचारुं छुं.
- ४) मोक्ष अभिलाषी आ जीवडो
.....
..... तारामां विश्वास छे.
- ५) मने विध्या देनारा
.....
..... में याद नथी राख्युं.